नई दिल्ली, 2 सितंबर, 2014

# असंगठित क्षेत्र के लिए अलग से वित्तीय ढांचा जरूरी: गुरुमूर्ति

हमारे संवाददाता

नई दिल्ली। देश के विख्यात अर्थशास्त्री और वित्तीय सलाहकार श्री एस गुरुमूर्ति ने आज नई दिल्ली में हुए एक गोल मेज सम्मेलन में असंगठित क्षेत्र के लिए अलग से एकमजबूत वित्तीय ढांचे की जोरदार वकालत करते हुए कहा की असंगठित क्षेत्र ने राष्ट्रीय जीडीपी, रोजगार, निर्यात और घरेलू उत्पादन के क्षेत्र में कॉर्पोरेट सेक्टरसे कही अधिक योगदान दिया है और इस दृष्टि से इस क्षेत्र की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा कर देश की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जासकता है ! गोल मेजक्व सम्मेलन का आयोजन असंगठित क्षेत्र के विभिन्न वर्गों व्यापारी, ट्रांसपोर्ट, ट्रक ऑपरेटर,लघु उद्यमी,स्वयं उद्यमी, हॉकर्स, महिला उद्यमी,मजदूर आदि के राष्ट्रीय संगठनों द्वारा गठित एक्शन कमेटी फॉर फॉर्मल फाइनेंस फॉर नॉन कॉर्पोरेट स्माल बिजक्वनेस ने किया था ! सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए श्री गुरुमूर्ति ने कहा की नॉन कॉर्पोरेट सेक्टर देश की अर्थव्यवस्था की रीड की हड्डी है जो प्रतिवर्ष लगभग 6 .28 लाख करोड़रुपये की राशि जोड़ता है लेकिन

फिर भी इस सेक्टर की वित्तीय आवश्यकताओं को नजरअंदाज किया गया है जिससे अर्थव्यवस्था की प्रगति भी प्रभावित हुईहै !

बैंकिंग संस्थान इस सेक्टर के केवल 4 प्रतिशत हिस्से को ही वित्त उपलब्ध करा पाये!उन्होंने कहा की गैर संगठित और गैर कृषि के इस क्षेत्र में लगभग 5 .77 उद्यमी व्यवसाय काम कर रहे है जो लगभग 46 करोड़ लोगों को रोजगार दे रहे हैंजिसमें से 24 करोड़ लोग स्वयं उद्यमी है ! उन्होंने यह भी कहा की नॉन कॉर्पोरेट उद्यमों के लगभग 61 त्न मालिक पिछड़े वर्ग के लोग है ! उन्होंने कहा कीभारतीय अर्थव्यवस्था को पूर्ण रूप से औपचारिक बनाने के लिए नॉन कॉर्पोरेट सेक्टर का वित्तीय समावेश बेहद जरूरी है ! श्री गुरुमूर्ति ने यह भी कहा की इस क्षेत्र के 90 प्रतिशत लोगों को किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता नहीं मिल पाती है !क्योंकि इस क्षेत्र का एक बड़ा हिस्साअपंजीकृत उद्यमों के रूप में काम करता है और बैंकों द्वारा ऋण देने के जटिल नियमों के कारण बैंकिंग संस्थान इस सेक्टर को वित्तीय सहायता उपलब्ध नहींकरा पाते! यहाँ तक की पंजीकृत लघु, सूक्ष्म एवं मंझले उद्योगों को भी बैंकों से वित्तीय सहायता नहीं मिल पाती है,ऐसे में इस क्षेत्र को बैंकों से वक्कजक्वर्व मिलनाबेहद मुश्किल है !

श्री गुरुमूर्ति ने कहा की स्माल बैंकिंग फाइनेंस कम्पनीज अथवा संस्थान के रूप में इस क्षेत्र के लिए अलग से एक वित्तीय चा बनाया जानाचाहिए ! उन्होंने कहा की उद्यम, स्व रोजगार आदि क्षेत्रों में नॉन कॉर्पोरेट सेक्टर से बड़ी संभावनाएं है इस लिए देश के बड़े हित में इस क्षेत्र का वित्तीयसमावेश वर्तमान समय की जरूरत है !